

花最少的时间 读最完美的古典诗词

★★★  
超值白金  
典藏版

常言道：“腹有诗书气自华。”阅读、品味、领悟优美的古诗词是通向传统文化宝库的捷径，流传千古的名篇佳句是成就高雅而有品位的人生所必需的。

# 人一生要读的 古典诗词

陈营◎编著



北方妇女儿童出版社

花最少的时间 读最完美的古典诗词

# 人一生要读的 古典诗词

陈莹◎编著



北方妇女儿童出版社  
· 长春 ·

版权所有 侵权必究

图书在版编目 (CIP) 数据

人一生要读的古典诗词/陈营编著. —长春: 北方妇女儿童出版社, 2014. 11

ISBN 978-7-5385-8702-9

I. ①人… II. ①陈… III. ①古典诗歌—诗集—中国  
IV. ①I222

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2014) 第 257238 号

## 人一生要读的古典诗词

REN YISHENG YAODU DE GUDIAN SHICI

---

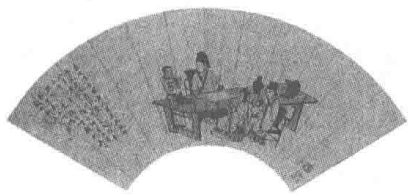
出版人 刘刚  
策 划 师晓晖  
编 著 陈营  
责任编辑 王天明  
开 本 787mm×1125mm 1/10  
印 张 60.8  
字 数 900 千字  
印 刷 北京龙跃印务有限公司  
版 次 2014 年 11 月第 1 版  
印 次 2014 年 11 月第 1 次印刷

---

出 版 北方妇女儿童出版社  
发 行 北方妇女儿童出版社  
地 址 长春市人民大街 4646 号  
邮 编: 130021  
电 话 总编办: 0431-85644803  
发行科: 0431-85640624

---

定 价 78.00 元



# 前言



中国是一个“诗歌的国度”，古典诗词是中国传统文化的奇葩，是我们民族文化遗产中极为珍贵的一部分。在中华文明史中，我们的祖先给我们留下了浩如烟海的诗词典籍，几千年来虽历经沧桑变乱，依然传诵不衰。它们已经融入到我们的文化性格里，启发着我们的心智，滋养着我们的心灵，丰富着我们的精神，陶冶着我们的人格，成为我们日常生活的一部分。常言道：“腹有诗书气自华。”要想成为一个谈吐不俗、语惊四座、高雅而有修养的人，不能不具备些中华传统文化素养，掌握些古典诗词。

这是一本能让你花最少的时间读完最美的古典诗词的经典之作，为你达到“腹有诗书”的境界提供一扇方便之门。书中收录了约 1500 首在思想上和艺术上具有最高成就的古诗词，有文学史上著名诗人和词人的代表作、有各类题材的作品精粹、有广泛社会影响的名篇佳句等，比较全面地反映了我国古典诗词的全貌，能有效地帮助你了解古代名诗名词的概貌和更深入地领悟古典诗词的意蕴。

《古诗源》是唐之前古诗最重要的选本，由清朝人沈德潜选编。“诗至有唐为极盛，然诗之盛，非诗之源也。……则唐诗者，宋、元之上流，而古诗又唐人之发源也。”（沈德潜）故而编选此书。《古诗源》选辑了先秦至隋各个时代的诗歌，也包括一些民歌谣谚。

《诗经》是我国古代第一部诗歌总集，是中国优秀传统文化中的核心经典之一。《诗经》不仅记录了我们民族的感情之源，还是我们的语言之源。现代汉语中的许多词汇、成语、典故、谚语、格言都是出自《诗经》。如“切磋”、“琢磨”、“寤寐以求”、“巧笑倩兮，美目盼兮”等举不胜举。

以屈原为代表作家的《楚辞》的产生，开辟了中国文学史上继《诗经》以后的一个新时代。屈原是我国文学史上第一个伟大诗人，产生于长江流域的《楚辞》，开创了文学的浪漫主义先河，给后世文学以深远的影响。

从汉立到隋灭这漫长的八百多年时间里，我国诗歌获得空前发展。如果说短诗是汉诗的锋芒，那么乐府就是汉诗的光辉。东汉末年的动乱时代，其中最具影响力的是《古诗十九首》。它抒写了乱世中人生的悲苦，它将叙事、写景和抒情熔于一炉，它的语言朴实自然而生动妥帖。一方面，《古诗十九首》是五言创作达到成熟的标志；另一方面，它是“建安文学”的先声。

魏晋南北朝诗具有清劲的风骨、洒脱的精神、深刻的内涵、自然的审美，在中国诗

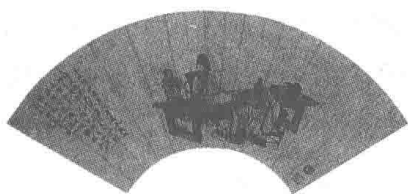
歌史上具有承前启后的作用。

唐诗在中国文学史上占有举足轻重的地位，代表着我国诗歌的最高水平。王勃、李白、王维、杜甫、白居易、李商隐等诗坛巨匠以他们杰出的创作才华成就了唐诗最壮美的光彩，将唐诗推到前所未有的高度，并形成了流派纷呈、名家辈出的局面。唐诗可以说是无美不具。

宋词是中国古代文学皇冠上光辉夺目的一颗明珠，又像一座芬芳绚丽的园圃。她以姹紫嫣红、千姿百态的风神，与唐诗并称双绝。

元曲是中华民族灿烂文化宝库中的一朵奇葩，它在思想内容和艺术成就上都体现了独有的特色，和唐诗、宋词鼎足并举，都代表一代文学之盛，成为我国文学史上三座重要的里程碑。宋、金、元、明、清诗和金、元、明、清词都有很多传世之作，表现了不同时代的文学特点。

本书以中国文学史为纲，集合了历代诗词著名选本的精华，讲述了先秦、两汉、魏晋南北朝、唐五代、宋元明清各个时代的诗词艺术特点。为了帮助读者更好地理解原作，本书还增设了相关辅助性栏目：“作者介绍”简单介绍了作者的生平和作品风格，使读者对作者有一个大体了解；注释部分除对难懂的词语进行注释外，还对全部难字进行了注音；译文力求忠于原作，使读者能直接了解原诗词的语言风格；赏析部分介绍写作背景和写作意图、诗词的意境和写作特点，以及作者所要表达的情感和作品的意义。你需要做的只是跟随本书走入古典诗词美丽清新的世界，感受至美意境，体验诗情人生。



# 目 录



## 古歌谣

|             |    |
|-------------|----|
| 击壤歌 .....   | 1  |
| 伊耆氏蜡辞 ..... | 1  |
| 尧 戒 .....   | 2  |
| 卿云歌 .....   | 2  |
| 南风歌 .....   | 3  |
| 麦秀歌 .....   | 3  |
| 采薇歌 .....   | 3  |
| 饭牛歌 .....   | 4  |
| 忼慷歌 .....   | 4  |
| 去鲁歌 .....   | 5  |
| 获麟歌 .....   | 5  |
| 楚狂歌 .....   | 5  |
| 沧浪歌 .....   | 6  |
| 渔父歌 .....   | 6  |
| 越人歌 .....   | 6  |
| 琴 歌 .....   | 7  |
| 弹 歌 .....   | 7  |
| 易水歌 .....   | 7  |
| 候人歌 .....   | 8  |
| 楚人谣 .....   | 8  |
| 大地之歌 .....  | 8  |
| 婚礼之歌 .....  | 9  |
| 战斗之歌 .....  | 9  |
| 箕子之歌 .....  | 10 |

## 诗 经

|           |    |
|-----------|----|
| 国 风 ..... | 12 |
| 周 南 ..... | 12 |

|            |    |
|------------|----|
| 关 雎 .....  | 12 |
| 葛 覃 .....  | 13 |
| 卷 耳 .....  | 13 |
| 桃 夭 .....  | 14 |
| 芣 苢 .....  | 14 |
| 汉 广 .....  | 14 |
| 召 南 .....  | 15 |
| 草 虫 .....  | 15 |
| 行 露 .....  | 16 |
| 摽有梅 .....  | 16 |
| 小 星 .....  | 16 |
| 野有死麋 ..... | 17 |
| 邶 风 .....  | 17 |
| 柏 舟 .....  | 17 |
| 绿 衣 .....  | 18 |
| 燕 燕 .....  | 18 |
| 击 鼓 .....  | 19 |
| 凯 风 .....  | 19 |
| 谷 风 .....  | 20 |
| 式 微 .....  | 21 |
| 简 兮 .....  | 21 |
| 北 门 .....  | 21 |
| 北 风 .....  | 22 |
| 静 女 .....  | 22 |
| 邶 风 .....  | 23 |
| 桑 中 .....  | 23 |
| 相 鼠 .....  | 23 |
| 载 驰 .....  | 24 |

|             |    |               |    |
|-------------|----|---------------|----|
| 卫 风 .....   | 24 | 绸 缪 .....     | 40 |
| 淇 奥 .....   | 24 | 秦 风 .....     | 40 |
| 考 槃 .....   | 25 | 蒹 葭 .....     | 40 |
| 硕 人 .....   | 25 | 无 衣 .....     | 41 |
| 氓 .....     | 26 | 陈 风 .....     | 41 |
| 河 广 .....   | 27 | 衡 门 .....     | 41 |
| 伯 兮 .....   | 27 | 月 出 .....     | 42 |
| 木 瓜 .....   | 28 | 桧 风 .....     | 43 |
| 王 风 .....   | 28 | 匪 风 .....     | 43 |
| 黍 离 .....   | 28 | 曹 风 .....     | 43 |
| 君子于役 .....  | 29 | 蜉 蝣 .....     | 43 |
| 兔 爰 .....   | 29 | 豳 风 .....     | 44 |
| 葛 藟 .....   | 30 | 七 月 .....     | 44 |
| 采 葛 .....   | 30 | 鸛 鸣 .....     | 46 |
| 郑 风 .....   | 30 | 东 山 .....     | 47 |
| 将仲子 .....   | 31 | 小 雅 .....     | 48 |
| 大叔于田 .....  | 31 | 鹿 鸣 .....     | 48 |
| 女曰鸡鸣 .....  | 32 | 四 牡 .....     | 49 |
| 蓀 兮 .....   | 32 | 常 棣 .....     | 50 |
| 东门之震埤 ..... | 33 | 伐 木 .....     | 50 |
| 风 雨 .....   | 33 | 采 薇 .....     | 51 |
| 子 衿 .....   | 33 | 鸿 雁 .....     | 52 |
| 扬之水 .....   | 34 | 鹤 鸣 .....     | 52 |
| 出其东门 .....  | 34 | 黄 鸟 .....     | 53 |
| 野有蔓草 .....  | 34 | 小 旻 .....     | 53 |
| 溱 洧 .....   | 35 | 北 山 .....     | 54 |
| 齐 风 .....   | 35 | 青 蝇 .....     | 55 |
| 还 .....     | 35 | 隰 桑 .....     | 55 |
| 东方未明 .....  | 36 | 苕 之 华 .....   | 55 |
| 魏 风 .....   | 36 | 何 草 不 黄 ..... | 56 |
| 葛 屨 .....   | 36 | 大 雅 .....     | 56 |
| 园有桃 .....   | 37 | 荡 .....       | 56 |
| 十亩之间 .....  | 37 | 烝 民 .....     | 57 |
| 伐 檀 .....   | 38 | 颂 .....       | 58 |
| 硕 鼠 .....   | 38 | 周 颂 .....     | 58 |
| 唐 风 .....   | 39 | 有 客 .....     | 58 |
| 蟋 蟀 .....   | 39 |               |    |
| 山有枢 .....   | 39 |               |    |

|                |     |                  |     |
|----------------|-----|------------------|-----|
| 商 颂 .....      | 59  | 秋风辞 .....        | 132 |
| 玄 鸟 .....      | 59  | 梁 鸿 .....        | 132 |
| <b>楚 辞</b>     |     | 五噫歌 .....        | 132 |
| 离 骚 .....      | 61  | 辛延年 .....        | 133 |
| 九 歌 .....      | 73  | 羽林郎 .....        | 133 |
| 东皇太一 .....     | 73  | 宋子侯 .....        | 134 |
| 云中君 .....      | 74  | 董娇饶 .....        | 134 |
| 湘 君 .....      | 75  | 秦 嘉 .....        | 134 |
| 湘夫人 .....      | 76  | 赠妇诗(二首) .....    | 134 |
| 大司命 .....      | 77  | <b>乐 府</b> ..... | 135 |
| 少司命 .....      | 78  | 战城南 .....        | 136 |
| 东 君 .....      | 79  | 上 邪 .....        | 136 |
| 河 伯 .....      | 80  | 江 南 .....        | 137 |
| 山 鬼 .....      | 81  | 平陵东 .....        | 137 |
| 国 殇 .....      | 82  | 陌上桑 .....        | 137 |
| 礼 魂 .....      | 83  | 长歌行 .....        | 138 |
| 天 问 .....      | 83  | 东门行 .....        | 139 |
| 九 章 .....      | 96  | 饮马长城窟行 .....     | 139 |
| 惜 诵 .....      | 96  | 孤儿行 .....        | 140 |
| 涉 江 .....      | 99  | 白头吟 .....        | 141 |
| 哀 郢 .....      | 101 | 梁甫吟 .....        | 141 |
| 抽 思 .....      | 104 | 怨歌行 .....        | 142 |
| 怀 沙 .....      | 107 | 悲 歌 .....        | 142 |
| 思美人 .....      | 109 | 古诗为焦仲卿妻作并序 ..... | 142 |
| 惜往日 .....      | 111 | 枯鱼过河泣 .....      | 146 |
| 橘 颂 .....      | 114 | 古 歌(二首) .....    | 146 |
| 悲回风 .....      | 115 | 刺巴郡守诗 .....      | 147 |
| 远 游 .....      | 119 | 京都谣 .....        | 147 |
| 卜 居 .....      | 125 | 小麦谣 .....        | 147 |
| <b>汉魏南北朝诗选</b> |     | 桓灵时谣 .....       | 148 |
| 汉 诗 .....      | 129 | <b>古 诗</b> ..... | 148 |
| 刘 邦 .....      | 129 | 行行重行行 .....      | 149 |
| 大风歌 .....      | 129 | 西北有高楼 .....      | 149 |
| 项 籍 .....      | 130 | 涉江采芙蓉 .....      | 149 |
| 垓下歌 .....      | 130 | 明月皎夜光 .....      | 150 |
| 刘 彻 .....      | 130 | 冉冉孤生竹 .....      | 150 |
| 瓠子歌(二首) .....  | 130 | 迢迢牵牛星 .....      | 150 |



|                  |            |                   |            |
|------------------|------------|-------------------|------------|
| 客从远方来 .....      | 151        | 归园田居 .....        | 165        |
| 明月何皎皎 .....      | 151        | 饮酒 .....          | 165        |
| <b>魏 诗</b> ..... | <b>152</b> | 移 居 .....         | 165        |
| 曹 操 .....        | 152        | 杂 诗 .....         | 166        |
| 观沧海 .....        | 152        | 咏荆轲 .....         | 166        |
| 龟虽寿 .....        | 152        | <b>南北朝诗</b> ..... | <b>167</b> |
| 短歌行 .....        | 153        | 颜延之 .....         | 167        |
| <b>曹 丕</b> ..... | <b>153</b> | 阮步兵 .....         | 167        |
| 杂 诗（二首） .....    | 154        | 嵇中散 .....         | 167        |
| <b>王 粲</b> ..... | <b>154</b> | 谢灵运 .....         | 168        |
| 七 哀 .....        | 155        | 七里濂 .....         | 168        |
| <b>陈 琳</b> ..... | <b>155</b> | 石壁精舍还湖中作 .....    | 169        |
| 饮马长城窟 .....      | 155        | 夜宿石门 .....        | 169        |
| <b>刘 桢</b> ..... | <b>156</b> | 东阳溪中赠答（二首） .....  | 170        |
| 赠从弟 .....        | 156        | <b>鲍 照</b> .....  | <b>170</b> |
| <b>曹 植</b> ..... | <b>156</b> | 梅花落 .....         | 171        |
| 送应氏 .....        | 157        | 赠故人马子乔（二首） .....  | 171        |
| 白马篇 .....        | 157        | 咏 史 .....         | 172        |
| 七步诗 .....        | 158        | 拟 古 .....         | 173        |
| <b>嵇 康</b> ..... | <b>158</b> | <b>陆 凯</b> .....  | <b>173</b> |
| 赠秀才入军 .....      | 158        | 赠范晔诗 .....        | 174        |
| <b>阮 籍</b> ..... | <b>159</b> | <b>谢 朓</b> .....  | <b>174</b> |
| 夜中不能寐 .....      | 159        | 晚登三山还望京邑 .....    | 174        |
| 昔闻东陵瓜 .....      | 159        | 王孙游 .....         | 175        |
| <b>晋 诗</b> ..... | <b>160</b> | 之宣城郡出新林浦向板桥 ..... | 175        |
| <b>傅 玄</b> ..... | <b>160</b> | 观朝雨 .....         | 175        |
| 豫章行苦相篇 .....     | 160        | 玉阶怨 .....         | 176        |
| <b>陆 机</b> ..... | <b>161</b> | <b>沈 约</b> .....  | <b>176</b> |
| 赴洛道中作 .....      | 161        | 伤谢朓 .....         | 176        |
| <b>左 思</b> ..... | <b>162</b> | <b>江 淹</b> .....  | <b>177</b> |
| 咏 史 .....        | 162        | 效 古 .....         | 177        |
| <b>潘 岳</b> ..... | <b>163</b> | <b>吴 均</b> .....  | <b>177</b> |
| 悼亡诗 .....        | 163        | 主人池前鹤 .....       | 178        |
| <b>郭 璞</b> ..... | <b>163</b> | 山中杂诗 .....        | 178        |
| 游仙诗 .....        | 164        | <b>陶弘景</b> .....  | <b>179</b> |
| <b>陶渊明</b> ..... | <b>164</b> | 诏问山中何所有赋诗以答 ..... | 179        |

|                   |            |                     |            |
|-------------------|------------|---------------------|------------|
| 萧 悫 .....         | 179        | 望月怀远 .....          | 202        |
| 秋 思 .....         | 179        | <b>李 白</b> .....    | <b>202</b> |
| 徐 陵 .....         | 179        | 下终南山过斛斯山人宿置酒 .....  | 203        |
| 关山月 .....         | 180        | 月下独酌 .....          | 203        |
| 江 总 .....         | 180        | 春 思 .....           | 203        |
| 哭鲁广达 .....        | 180        | 关山月 .....           | 204        |
| 闺怨篇 .....         | 181        | 子夜吴歌 .....          | 204        |
| 温子升 .....         | 181        | 长干行 .....           | 205        |
| 捣 衣 .....         | 181        | 金陵酒肆留别 .....        | 205        |
| 王 褒 .....         | 182        | 庐山谣寄卢侍御虚舟 .....     | 206        |
| 渡河北 .....         | 182        | 梦游天姥吟留别 .....       | 206        |
| 庾 信 .....         | 182        | 宣州谢朓楼饯别校书叔云 .....   | 207        |
| 拟咏怀（二首） .....     | 183        | 蜀道难 .....           | 208        |
| 寄王琳 .....         | 184        | 长相思（二首） .....       | 209        |
| 重别周尚书 .....       | 184        | 行路难 .....           | 209        |
| 乌夜啼 .....         | 185        | 将进酒 .....           | 210        |
| <b>南朝乐府</b> ..... | <b>185</b> | 赠孟浩然 .....          | 211        |
| 子夜歌（六首） .....     | 186        | 渡荆门送别 .....         | 211        |
| 子夜四时歌（八首） .....   | 187        | 送友人 .....           | 211        |
| 大子夜歌（二首） .....    | 189        | 听蜀僧濬弹琴 .....        | 212        |
| 读曲歌（五首） .....     | 189        | 登金陵凤凰台 .....        | 212        |
| 采桑度（三首） .....     | 191        | 夜 思 .....           | 213        |
| 莫愁乐 .....         | 191        | 怨 情 .....           | 213        |
| 作蚕丝 .....         | 192        | 玉阶怨 .....           | 213        |
| 长干曲 .....         | 192        | 下江陵 .....           | 213        |
| 西洲曲 .....         | 192        | 送孟浩然之广陵 .....       | 214        |
| <b>北朝乐府</b> ..... | <b>193</b> | 清平调（三首） .....       | 214        |
| 企喻歌 .....         | 193        | <b>杜 甫</b> .....    | <b>215</b> |
| 陇头歌（三首） .....     | 194        | 赠卫八处士 .....         | 215        |
| 敕勒歌 .....         | 194        | 望 岳 .....           | 216        |
| 折杨柳歌（二首） .....    | 195        | 佳 人 .....           | 216        |
| 李波小妹歌 .....       | 195        | 梦李白（二首） .....       | 216        |
| 木兰诗 .....         | 196        | 丹青引赠曹将军霸 .....      | 217        |
| <b>唐 诗</b>        |            | 观公孙大娘弟子舞剑器行并序 ..... | 218        |
| 张九龄 .....         | 201        | 兵车行 .....           | 219        |
| 感 遇（二首） .....     | 201        | 丽人行 .....           | 220        |
|                   |            | 春 望 .....           | 221        |
|                   |            | 月 夜 .....           | 221        |

|                     |            |                     |            |
|---------------------|------------|---------------------|------------|
| 春宿左省 .....          | 221        | 相 思 .....           | 239        |
| 至 德 .....           | 222        | 杂 诗 .....           | 239        |
| 月夜忆舍弟 .....         | 222        | 九月九日忆山东兄弟 .....     | 240        |
| 天末怀李白 .....         | 223        | 秋夜曲 .....           | 240        |
| 别房太尉墓 .....         | 223        | 渭城曲 .....           | 240        |
| 旅夜书怀 .....          | 223        | <b>孟浩然</b> .....    | <b>241</b> |
| 登岳阳楼 .....          | 224        | 秋登兰山寄张五 .....       | 241        |
| 蜀 相 .....           | 224        | 夏日南亭怀辛大 .....       | 241        |
| 客 至 .....           | 225        | 宿业师山房待丁大不至 .....    | 242        |
| 野 望 .....           | 225        | 夜归鹿门山歌 .....        | 242        |
| 闻官军收河南河北 .....      | 226        | 临洞庭上张丞相 .....       | 242        |
| 登 高 .....           | 226        | 与诸子登岷山 .....        | 243        |
| 登 楼 .....           | 226        | 宴梅道士山房 .....        | 243        |
| 宿 府 .....           | 227        | 岁暮归南山 .....         | 244        |
| 阁 夜 .....           | 227        | 过故人庄 .....          | 244        |
| 咏怀古迹（五首） .....      | 228        | 留别王维 .....          | 244        |
| 八阵图 .....           | 230        | 早寒有怀 .....          | 245        |
| 江南逢李龟年 .....        | 230        | 宿建德江 .....          | 245        |
| <b>王 维</b> .....    | <b>231</b> | 春 晓 .....           | 245        |
| 送綦毋潜落第还乡 .....      | 231        | <b>王昌龄</b> .....    | <b>246</b> |
| 送 别 .....           | 231        | 同从弟南斋玩月忆山阴崔少府 ..... | 246        |
| 青 溪 .....           | 232        | 塞上曲 .....           | 246        |
| 渭川田家 .....          | 232        | 塞下曲 .....           | 247        |
| 西施咏 .....           | 233        | 芙蓉楼送辛渐 .....        | 247        |
| 洛阳女儿行 .....         | 233        | 闺 怨 .....           | 247        |
| 桃源行 .....           | 234        | 春宫怨 .....           | 248        |
| 辋川闲居赠裴秀才迪 .....     | 234        | 长信怨 .....           | 248        |
| 山居秋暝 .....          | 235        | 出 塞 .....           | 248        |
| 归嵩山作 .....          | 235        | <b>常 建</b> .....    | <b>249</b> |
| 酬张少府 .....          | 236        | 宿王昌龄隐居 .....        | 249        |
| 送梓州李使君 .....        | 236        | 破山寺后禅院 .....        | 249        |
| 汉江临眺 .....          | 236        | <b>岑 参</b> .....    | <b>249</b> |
| 奉和圣制从蓬莱向兴庆阁道中 ..... | 237        | 与高适薛据登慈恩寺浮图 .....   | 250        |
| 积雨辋川庄作 .....        | 237        | 走马川行奉送封大夫出师西征 ..... | 250        |
| 赠郭给事 .....          | 238        | 轮台歌奉送封大夫出师西征 .....  | 251        |
| 鹿 柴 .....           | 238        | 白雪歌送武判官归京 .....     | 251        |
| 竹里馆 .....           | 238        | 寄左省杜拾遗 .....        | 252        |
| 送 别 .....           | 239        | 和贾至舍人早朝大明宫之作 .....  | 252        |

|                   |            |                   |            |
|-------------------|------------|-------------------|------------|
| 逢入京使 .....        | 253        | 八月十五夜赠张功曹 .....   | 267        |
| <b>元 结</b> .....  | <b>253</b> | 谒衡岳庙遂宿岳寺题门楼 ..... | 268        |
| 贼退示官吏并序 .....     | 253        | <b>李商隐</b> .....  | <b>269</b> |
| 石鱼湖上醉歌并序 .....    | 254        | 蝉 .....           | 269        |
| <b>韦应物</b> .....  | <b>254</b> | 风 雨 .....         | 269        |
| 郡斋雨中与诸文士燕集 .....  | 254        | 落 花 .....         | 270        |
| 初发扬子寄元大校书 .....   | 255        | 凉 思 .....         | 270        |
| 寄全椒山中道士 .....     | 255        | 北青萝 .....         | 270        |
| 长安遇冯著 .....       | 256        | 锦 瑟 .....         | 271        |
| 夕次盱眙县 .....       | 256        | 无 题 .....         | 271        |
| 东 郊 .....         | 256        | 隋 宫 .....         | 272        |
| 送杨氏女 .....        | 257        | 无 题(三首) .....     | 272        |
| 淮上喜会梁川故人 .....    | 258        | 春 雨 .....         | 273        |
| 赋得暮雨送李曹 .....     | 258        | 无 题(二首) .....     | 274        |
| 寄李儋元锡 .....       | 258        | 登乐游原 .....        | 275        |
| 秋夜寄邱员外 .....      | 259        | 夜雨寄北 .....        | 275        |
| 滁州西涧 .....        | 259        | 寄令狐郎中 .....       | 275        |
| <b>李 端</b> .....  | <b>260</b> | 为 有 .....         | 276        |
| 听 箏 .....         | 260        | 隋 宫 .....         | 276        |
| <b>柳宗元</b> .....  | <b>260</b> | 贾 生 .....         | 276        |
| 晨诣超师院读禅经 .....    | 260        | 瑶 池 .....         | 277        |
| 溪 居 .....         | 261        | <b>孟 郊</b> .....  | <b>277</b> |
| 渔 翁 .....         | 261        | 列女操 .....         | 277        |
| 登柳州城楼寄漳汀封连四州刺史 .. | 261        | 游子吟 .....         | 278        |
| 江 雪 .....         | 262        | <b>白居易</b> .....  | <b>278</b> |
| <b>陈子昂</b> .....  | <b>262</b> | 长恨歌 .....         | 278        |
| 登幽州台歌 .....       | 262        | 琵琶行并序 .....       | 279        |
| <b>李 颀</b> .....  | <b>263</b> | 草 .....           | 281        |
| 古 意 .....         | 263        | 望月有感 .....        | 281        |
| 送陈章甫 .....        | 263        | 问刘十九 .....        | 281        |
| 琴 歌 .....         | 264        | 宫 词 .....         | 282        |
| 听董大弹胡笳兼寄语弄房给事 ..  | 264        | <b>高 适</b> .....  | <b>282</b> |
| 听安万善吹觱篥歌 .....    | 265        | 燕歌行并序 .....       | 282        |
| 古从军行 .....        | 265        | 送李少府贬峡中王少府贬长沙 ..  | 283        |
| 送魏万之京 .....       | 266        | <b>王 勃</b> .....  | <b>283</b> |
| <b>韩 愈</b> .....  | <b>266</b> | 送杜少府之任蜀州 .....    | 284        |
| 山 石 .....         | 267        | <b>骆宾王</b> .....  | <b>284</b> |
|                   |            | 在狱咏蝉 .....        | 284        |

|                      |     |                 |     |
|----------------------|-----|-----------------|-----|
| 杜审言 .....            | 285 | 寄 人 .....       | 295 |
| 和晋陵陆丞早春游望 .....      | 285 | 钱 起 .....       | 295 |
| 沈佺期 .....            | 285 | 送僧归日本 .....     | 296 |
| 杂 诗 .....            | 285 | 谷口书斋寄杨补阙 .....  | 296 |
| 独不见 .....            | 286 | 赠阙下裴舍人 .....    | 296 |
| 王之涣 .....            | 286 | 韩 翃 .....       | 297 |
| 登鹳雀楼 .....           | 286 | 酬程近秋夜即事见赠 ..... | 297 |
| 出 塞 .....            | 287 | 同题仙游观 .....     | 297 |
| 杜秋娘 .....            | 287 | 寒 食 .....       | 298 |
| 金缕衣 .....            | 287 | 已 凉 .....       | 298 |
| 刘长卿 .....            | 288 | 戴叔伦 .....       | 298 |
| 秋日登吴公台上寺远眺 .....     | 288 | 江乡故人偶集客舍 .....  | 299 |
| 送李中丞归汉阳别业 .....      | 288 | 卢 纶 .....       | 299 |
| 饯别王十一南游 .....        | 289 | 送李端 .....       | 299 |
| 新年作 .....            | 289 | 晚次鄂州 .....      | 300 |
| 江州重别薛六柳八二员外 .....    | 289 | 塞下曲（四首） .....   | 300 |
| 长沙过贾谊宅 .....         | 290 | 李 益 .....       | 301 |
| 自夏口至鹦鹉洲望岳阳寄元中丞 ..... | 290 | 喜见外弟又言别 .....   | 302 |
| 弹 琴 .....            | 290 | 江南曲 .....       | 302 |
| 送灵澈 .....            | 291 | 夜上受降城闻笛 .....   | 302 |
| 送上人 .....            | 291 | 司空曙 .....       | 303 |
| 王 建 .....            | 291 | 云阳馆与韩绅宿别 .....  | 303 |
| 新嫁娘 .....            | 292 | 喜外弟卢纶见宿 .....   | 303 |
| 权德舆 .....            | 292 | 贼平后送人北归 .....   | 304 |
| 玉台体 .....            | 292 | 刘禹锡 .....       | 304 |
| 金昌绪 .....            | 292 | 蜀先主庙 .....      | 304 |
| 春 怨 .....            | 293 | 西塞山怀古 .....     | 305 |
| 西鄙人 .....            | 293 | 乌衣巷 .....       | 305 |
| 哥舒歌 .....            | 293 | 春 词 .....       | 305 |
| 柳中庸 .....            | 293 | 张 籍 .....       | 306 |
| 征人怨 .....            | 293 | 没蕃故人 .....      | 306 |
| 郑 畋 .....            | 294 | 杜 牧 .....       | 306 |
| 马嵬坡 .....            | 294 | 旅 宿 .....       | 306 |
| 陈 陶 .....            | 294 | 将赴吴兴登乐游原 .....  | 307 |
| 陇西行 .....            | 294 | 赤 壁 .....       | 307 |
| 张 泌 .....            | 295 | 泊秦淮 .....       | 307 |
|                      |     | 寄扬州韩绰判官 .....   | 308 |

|                 |     |                   |     |
|-----------------|-----|-------------------|-----|
| 遣 怀 .....       | 308 | 贺知章 .....         | 321 |
| 秋 夕 .....       | 308 | 回乡偶书 .....        | 321 |
| 赠 别 (二首) .....  | 309 | 张 继 .....         | 322 |
| 金谷园 .....       | 309 | 枫桥夜泊 .....        | 322 |
| 许 浑 .....       | 309 | 顾 况 .....         | 322 |
| 秋日赴阙题潼关驿楼 ..... | 310 | 宫 词 .....         | 323 |
| 早 秋 .....       | 310 | 刘方平 .....         | 323 |
| 温庭筠 .....       | 310 | 月 夜 .....         | 323 |
| 送人东游 .....      | 311 | 春 怨 .....         | 323 |
| 利州南渡 .....      | 311 | 王 翰 .....         | 324 |
| 苏武庙 .....       | 311 | 凉州词 .....         | 324 |
| 瑶瑟怨 .....       | 312 | 朱庆馀 .....         | 324 |
| 马 戴 .....       | 312 | 近试上张水部 .....      | 324 |
| 灞上秋居 .....      | 312 | 宫中词 .....         | 325 |
| 楚江怀古 .....      | 313 |                   |     |
| 杜荀鹤 .....       | 313 | <b>唐、宋词</b>       |     |
| 春宫怨 .....       | 313 | 李 白 .....         | 328 |
| 韦 庄 .....       | 314 | 菩萨蛮 平林漠漠烟如织 ..... | 328 |
| 章台夜思 .....      | 314 | 忆秦娥 箫声咽 .....     | 328 |
| 金陵图 .....       | 314 | 秋风清 秋风清 .....     | 329 |
| 崔 颢 .....       | 314 | 张志和 .....         | 329 |
| 黄鹤楼 .....       | 315 | 渔歌子 西塞山前白鹭飞 ..... | 329 |
| 行经华阴 .....      | 315 | 戴叔伦 .....         | 329 |
| 长干行 (二首) .....  | 316 | 调笑令 边草, 边草 .....  | 330 |
| 祖 咏 .....       | 316 | 王 建 .....         | 330 |
| 望蓟门 .....       | 316 | 调笑令 团扇, 团扇 .....  | 330 |
| 终南望余雪 .....     | 317 | 刘禹锡 .....         | 330 |
| 元 稹 .....       | 317 | 竹枝词 山桃红花满上头 ..... | 330 |
| 遣悲怀 (三首) .....  | 317 | 潇湘神 斑竹枝 .....     | 331 |
| 行 宫 .....       | 319 | 白居易 .....         | 331 |
| 张 祜 .....       | 319 | 忆江南 江南好 .....     | 331 |
| 何满子 .....       | 319 | 忆江南 江南忆 .....     | 331 |
| 赠内人 .....       | 319 | 长相思 汴水流 .....     | 332 |
| 集灵台 (二首) .....  | 320 | 花非花 花非花 .....     | 332 |
| 题金陵渡 .....      | 321 | 浪淘沙 借问江潮与海水 ..... | 332 |
| 贾 岛 .....       | 321 | 皇甫松 .....         | 333 |
| 寻隐者不遇 .....     | 321 | 采莲子 菡萏香连十顷陂 ..... | 333 |

- 温庭筠 ..... 333
- 望江南 梳洗罢 ..... 333
- 菩萨蛮 小山重叠金明灭 ..... 333
- 韦 庄 ..... 334
- 菩萨蛮 红楼别夜堪惆怅 ..... 334
- 菩萨蛮 人人尽说江南好 ..... 334
- 女冠子 四月十七 ..... 335
- 女冠子 昨夜夜半 ..... 335
- 思帝乡 春日游 ..... 335
- 牛希济 ..... 336
- 生查子 新月曲如眉 ..... 336
- 李 珣 ..... 336
- 南乡子 乘彩舫 ..... 336
- 顾 夔 ..... 337
- 诉衷情 永夜抛人何处去 ..... 337
- 孙光宪 ..... 337
- 浣溪沙 蓼岸风多橘柚香 ..... 337
- 冯延巳 ..... 337
- 谒金门 风乍起 ..... 338
- 鹊踏枝 谁道闲情抛掷久 ..... 338
- 鹊踏枝 几日行云何处去 ..... 338
- 李 璟 ..... 339
- 浣溪沙 手卷珠帘上玉钩 ..... 339
- 浣溪沙 菡萏香销翠叶残 ..... 339
- 李 煜 ..... 340
- 虞美人 春花秋月何时了 ..... 340
- 相见欢 无言独上西楼 ..... 340
- 相见欢 林花谢了春红 ..... 341
- 浪淘沙 帘外雨潺潺 ..... 341
- 清平乐 别来春半 ..... 341
- 破阵子 四十年来家国 ..... 342
- 敦煌曲子词 ..... 342
- 菩萨蛮 枕前发尽千般愿 ..... 342
- 鹊踏枝 叵耐灵鹊多谩语 ..... 343
- 望江南 天上月 ..... 343
- 潘 阆 ..... 343
- 酒泉子 长忆观潮 ..... 343
- 林 逋 ..... 344
- 长相思 吴山青 ..... 344
- 范仲淹 ..... 344
- 苏幕遮 碧云天 ..... 344
- 渔家傲 塞下秋来风景异 ..... 345
- 柳 永 ..... 345
- 凤栖梧 伫倚危楼风细细 ..... 345
- 定风波 自春来 ..... 346
- 雨霖铃 寒蝉凄切 ..... 346
- 望海潮 东南形胜 ..... 347
- 八声甘州 对潇潇暮雨洒江天 ... 347
- 鹤冲天 黄金榜上 ..... 348
- 张 先 ..... 348
- 天仙子 水调数声持酒听 ..... 348
- 千秋岁 数声鶗鴂 ..... 349
- 青门引 乍暖还轻冷 ..... 349
- 晏 殊 ..... 350
- 浣溪沙 一曲新词酒一杯 ..... 350
- 浣溪沙 一向年光有限身 ..... 350
- 山亭柳 家住西秦 ..... 351
- 蝶恋花 槛菊愁烟兰泣露 ..... 351
- 破阵子 燕子来时新社 ..... 352
- 宋 祁 ..... 352
- 玉楼春 东城渐觉风光好 ..... 352
- 欧阳修 ..... 353
- 诉衷情 清晨帘幕卷轻霜 ..... 353
- 踏莎行 候馆梅残 ..... 353
- 生查子 去年元夜时 ..... 354
- 蝶恋花 庭院深深深几许 ..... 354
- 浪淘沙 把酒祝东风 ..... 354
- 王安石 ..... 355
- 桂枝香 登临送目 ..... 355
- 王 观 ..... 355
- 卜算子 水是眼波横 ..... 356
- 晏几道 ..... 356
- 临江仙 梦后楼台高锁 ..... 356
- 蝶恋花 醉别西楼醒不记 ..... 357

- 鹧鸪天 彩袖殷勤捧玉钟 ..... 357  
 鹧鸪天 小令尊前见玉箫 ..... 358  
 阮郎归 旧香残粉似当初 ..... 358  
**苏 轼** ..... **358**  
 水龙吟 次韵章质夫杨花词 ..... 359  
 定风波 南海归，赠王定国侍儿寓娘 ... 359  
 水调歌头 明月几时有 ..... 360  
 念奴娇 赤壁怀古 ..... 360  
 临江仙 夜归临皋 ..... 361  
 定风波 莫听穿林打叶声 ..... 361  
 卜算子 黄州定惠院寓居作 ..... 361  
 洞仙歌 冰肌玉骨 ..... 362  
 江城子 密州出猎 ..... 362  
 江城子 乙卯正月二十日夜记梦 ... 363  
 蝶恋花 花褪残红青杏小 ..... 363  
 永遇乐 明月如霜 ..... 364  
 浣溪沙 簌簌衣巾落枣花 ..... 364  
**李之仪** ..... **364**  
 卜算子 我住长江头 ..... 364  
**黄 裳** ..... **365**  
 减字木兰花 竞渡 ..... 365  
**王 雱** ..... **365**  
 眼儿媚 杨柳丝丝弄轻柔 ..... 365  
**黄庭坚** ..... **366**  
 清平乐 春归何处 ..... 366  
**秦 观** ..... **366**  
 望海潮 梅英疏淡 ..... 366  
 满庭芳 山抹微云 ..... 367  
 鹊桥仙 纤云弄巧 ..... 367  
 千秋岁 水边沙外 ..... 368  
 踏莎行 雾失楼台 ..... 368  
 浣溪沙 漠漠轻寒上小楼 ..... 368  
**贺 铸** ..... **369**  
 半死桐 思越人 ..... 369  
 芳心苦 杨柳回塘 ..... 369  
 横塘路 凌波不过横塘路 ..... 370  
 六州歌头 少年侠气 ..... 370  
**周邦彦** ..... **371**  
 苏幕遮 燎沉香，消溽暑 ..... 371  
 少年游 并刀如水 ..... 372  
 兰陵王 柳 ..... 372  
 六丑 蔷薇谢后作 ..... 373  
**谢 逸** ..... **373**  
 江城子 杏花村馆酒旗风 ..... 373  
**毛 滂** ..... **374**  
 惜分飞 富阳僧舍代作别语 ..... 374  
**叶梦得** ..... **374**  
 点绛唇 绍兴乙卯登绝顶小亭 ... 374  
**汪 藻** ..... **375**  
 点绛唇 新月娟娟 ..... 375  
**曹 组** ..... **375**  
 蓦山溪 梅 ..... 375  
**朱敦儒** ..... **376**  
 鹧鸪天 西都作 ..... 376  
**赵 佶** ..... **376**  
 燕山亭 北行见杏花 ..... 376  
**李清照** ..... **377**  
 南歌子 天上星河转 ..... 377  
 一剪梅 红藕香残玉簟秋 ..... 377  
 渔家傲 天接云涛连晓雾 ..... 378  
 如梦令 常记溪亭日暮 ..... 378  
 如梦令 昨夜雨疏风骤 ..... 378  
 凤凰台上忆吹箫 香冷金猊 ..... 378  
 醉花阴 薄雾浓云愁永昼 ..... 379  
 武陵春 风住尘香花已尽 ..... 379  
 点绛唇 蹴罢秋千 ..... 380  
 永遇乐 落日熔金 ..... 380  
 声声慢 寻寻觅觅 ..... 380  
**吕本中** ..... **381**  
 采桑子 恨君不似江楼月 ..... 381  
**蔡 伸** ..... **381**  
 苍梧谣 天，休使圆蟾照客眠 ... 381  
**李重元** ..... **382**  
 忆王孙 春词 ..... 382



|                     |     |                    |     |
|---------------------|-----|--------------------|-----|
| 陈与义 .....           | 382 | 石孝友 .....          | 395 |
| 临江仙 夜登小阁忆洛中旧游 ...   | 382 | 卜算子 见也如何暮 .....    | 395 |
| 张元干 .....           | 383 | 陈 亮 .....          | 396 |
| 贺新郎 送胡邦衡待制赴新州 ...   | 383 | 水调歌头 送章德茂大卿使虏 ...  | 396 |
| 岳 飞 .....           | 383 | 刘 过 .....          | 397 |
| 满江红 怒发冲冠 .....      | 384 | 唐多令 芦叶满汀洲 .....    | 397 |
| 小重山 昨夜寒蛩不住鸣 .....   | 384 | 姜 夔 .....          | 397 |
| 朱淑真 .....           | 384 | 点绛唇 丁未冬过吴松作 .....  | 397 |
| 谒金门 春半 .....        | 385 | 扬州慢 淮左名都 .....     | 398 |
| 蝶恋花 送春 .....        | 385 | 暗 香 旧时月色 .....     | 398 |
| 张 抡 .....           | 385 | 疏 影 苔枝缀玉 .....     | 399 |
| 踏莎行 山居 .....        | 386 | 史达祖 .....          | 399 |
| 陆 游 .....           | 386 | 双双燕 咏燕 .....       | 400 |
| 钗头凤 红酥手 .....       | 386 | 卢祖皋 .....          | 400 |
| 卜算子 咏梅 .....        | 387 | 江城子 画楼帘幕卷新晴 .....  | 400 |
| 诉衷情 当年万里觅封侯 .....   | 387 | 刘克庄 .....          | 401 |
| 唐 琬 .....           | 387 | 贺新郎 送陈真州子华 .....   | 401 |
| 钗头凤 世情薄 .....       | 387 | 贺新郎 九日 .....       | 401 |
| 严 蕊 .....           | 388 | 一剪梅 戏林推 .....      | 402 |
| 卜算子 不是爱风尘 .....     | 388 | 卜算子 片片蝶衣轻 .....    | 402 |
| 张孝祥 .....           | 388 | 蒋 捷 .....          | 403 |
| 六州歌头 长淮望断 .....     | 388 | 一剪梅 舟过吴江 .....     | 403 |
| 念奴娇 过洞庭 .....       | 389 | 黄公绍 .....          | 403 |
| 辛弃疾 .....           | 389 | 青玉案 年年社日停针线 .....  | 403 |
| 摸鱼儿 更能消 .....       | 390 | 方 岳 .....          | 404 |
| 水龙吟 登建康赏心亭 .....    | 390 | 水调歌头 平山堂用东坡韵 ..... | 404 |
| 菩萨蛮 书江西造口壁 .....    | 391 | 吴文英 .....          | 404 |
| 青玉案 元夕 .....        | 391 | 风入松 听风听雨过清明 .....  | 404 |
| 清平乐 村居 .....        | 392 | 黄 昇 .....          | 405 |
| 西江月 夜行黄沙道中 .....    | 392 | 清平乐 宫怨 .....       | 405 |
| 贺新郎 甚矣吾衰矣 .....     | 392 | 刘辰翁 .....          | 405 |
| 丑奴儿 书博山道中壁 .....    | 393 | 西江月 新秋写兴 .....     | 406 |
| 破阵子 为陈同甫赋壮语以寄 ..... | 393 | 王清惠 .....          | 406 |
| 鹧鸪天 壮岁旌旗拥万夫 .....   | 394 | 满江红 太液芙蓉 .....     | 406 |
| 西江月 遣兴 .....        | 394 | 张 炎 .....          | 406 |
| 永遇乐 京口北固亭怀古 .....   | 394 | 清平乐 候蛩凄断 .....     | 407 |
| 南乡子 登京口北固亭有怀 .....  | 395 |                    |     |